श्री विजयींद्रतीर्थर ग्रंथगळु .

१. ओंकारवादार्थः
२. तत्त्वमाणिक्यपेटिका
३. ब्रह्मसूत्राधिकरणमाला
४. ब्रह्मसूत्रन्यायसंग्रहः
५. सूत्रार्थ संग्रहः
६. अनुव्याख्यान टिप्पणी
७. न्यायसुध्याव्याख्या – बिंदुः
८. अणुभाष्यव्याख्या
९. न्यायविवरणटीका
१०. अधिकरणरत्नमाला
११. नयपंचकमाला
१२. मध्वतंत्र नयमंजरी
१३. न्यायमुकुरः
१४. न्यायमौक्तिकमाला
१५. ऋग्भाष्य टिप्पणि
१६. ईशावास्योपनिषद्भाष्य टीकेय टिप्पणि
१७. तैत्तिरीयोपनिषद्भाष्य व्याख्या
१८. केनोपनिषद्भाष्य व्याख्या
१९. ऐतरेयोपनिषद्भाष्य व्याख्या

२०. षट्प्रश्नोपनिषद्भाष्य टीका टिप्पणि
२१. काठकोपनिषद्भाष्य व्याख्या
२२. मांडूक्योपनिषद्भाष्य व्याख्या
२३. मुंडकोपनिषद्भाष्य व्याख्या
२४. छांदोग्योपनिषद्भाष्य व्याख्या
२५. बृहदारण्यकोपनिषद्भाष्य व्याख्या
२६. श्रुतितत्त्वप्रकाशिका
२७. श्रुत्यर्थसारः
२८. श्रुतितात्पर्यकौमुदी
२९. द्वासुपर्णा इत्यादीनां भेदपरत्वसमर्थनम्
३०. गीताक्षरार्थः
३१. गीताभाष्यप्रमेयदीपिकाव्याख्या
३२. गीतातात्पर्य न्यायदीपिकाव्याख्यानम्
३३. प्रमाणलक्षणटीकाटिप्पणि
३४. कथालक्षणटीका टिप्पणि
३५. तत्त्वसंख्यान टीका टिप्पणि
३६. तत्त्वविवेक टीका टिप्पणि
३७. उपाधिखंडन टीका टिप्पणि
३८. मायावाद खंडन टीका टिप्पणि
३९. मित्यात्वानुमानखंडन टीका टिप्पणि
४०. विष्णुतत्त्वनिर्णय टीका टिप्पणि (गूढभावप्रकाश)
४१. तत्त्वोद्योतटीकाटिप्पणि

४२. कर्मनिर्णय टीका टिप्पणि
४३. प्रमाणपद्धतिव्याख्या
४४. युक्तिरत्नाकर (तर्कतांडवव्याख्या)
४५. तात्पर्यचंद्रिकाव्याख्या
४६. तात्पर्यचंद्रिकाभूषणम्
४७. चंद्रिकोदाहृतन्यायमाला
४८. तात्पर्यचंद्रिकाकुचोद्यकुठारः
४९. न्यायामृतामोदः
५०. न्यायामृतमध्यमामोदः
५१. न्यायामृतगुर्वामोदः
५२. न्यायामृतोदाहृत जैमिनीन्यायमाला
५३. न्यायामृतकंटकोद्धारः
५४. पदाथसंग्रह
५५. नारायणशब्दार्थ निर्वचनम्
५६. चक्रमीमांसा
५७. पंचसंस्कारदीपिका
५८. सिद्धांतसारासारविवेचनम्
५९. वाग्वैखरी
६०. वादमालिका
६१. मीमांसाननय कौमुदी
६२. पिष्टपश्यमीमांसा
६३. भेदचिंतामणिः

६४. भेदप्रभा
६५. भेदसंजीविनी
६६. भेदागमसुधाकरः
६७. भेदकुसुमांजलिः
६८. मध्वसिद्धांतसारोद्धारः
६९. विरोधोद्धारः
७०. विष्णुपारम्यम्
७१. परतत्त्वप्रकाशिका
७२. सन्मार्गदीपिका
७३. प्रणवदर्पण खंडनम्
७४. उपसंहारविजयः
७५. अद्वैतशिक्षा
७६. भेदविद्याविलास
७७. भ ोजिकु नम्
७८. मध्वतंत्रमुखभूषणम्
७९. मध्वाध्व कंटकोद्धारः
८०. लिंगमूलान्वेषणविचारः
८१. शैवसर्वस्व खंडनम्
८२. श्रवणविधिविलासः
८३. चित्रमीमांसाखंडनम्
८४. अप्पय्यकपोलचपेटिका
८५. कुचोद्यकुठारः

८६. तुरीयशिवखंडनम्
८७. आनंदतारतम्यवादार्थः
८८. श्रीनृसिंहाष्ठकम्
८९. विष्नुस्तुतिव्याख्यान
९०. दुरितापहारस्तोत्रम्
९१. श्रीश्रीपादराजष्टकम्
९२. श्रीव्यासराजस्तोत्रम्
९३. श्रीव्यासराजविजयः
९४. सुभद्राधनंजयः
९५. व्यासराजाभ्युदय
९६. उभयग्रस्तराहूदयः
९७. न्यायाध्वदीपिका
९८. श्रीरामानुजमतरीत्यासूत्रार्थः